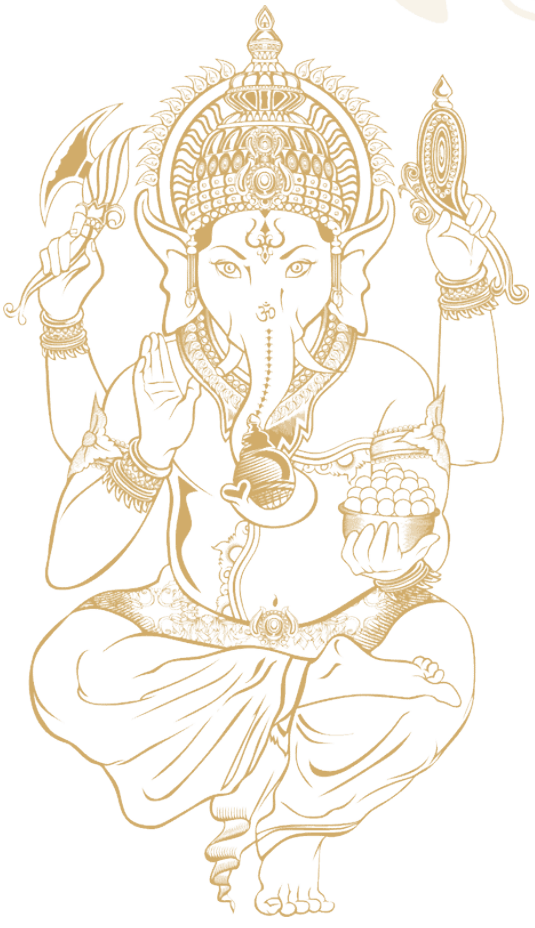

Kartik Bhardwaj

Prachi Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120977904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/02/1992	जन्म तिथि	19/07/1996
शनिवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	17:20:00 घंटे
घटी 25:50:16	जन्म समय(घटी)	29:34:07 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
77:10:00 पूर्व	रेखांश	77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:53	सूर्योदय	05:30:21
18:13:24	सूर्यास्त	19:24:30
23:45:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:36

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 7मा 19दि	28:13:00	कर्क	लग्न	धनु	03:30:40	शुक्र 17वर्ष 7मा 23दि
गुरु	09:21:24	कुंभ	सूर्य	कर्क	03:16:01	चन्द्र
12/10/2010	05:27:17	तुला	चंद्र	सिंह	14:54:08	12/03/2020
12/10/2026	09:32:20	मक	मंगल	मिथु	01:56:14	13/03/2030
गुरु 29/11/2012	17:45:16	कुंभ	बुध	कर्क	12:26:23	चन्द्र 10/01/2021
शनि 13/06/2015	16:46:53	सिंह व	गुरु व	धनु	17:04:30	मंगल 12/08/2021
बुध 18/09/2017	10:55:46	मक	शुक्र	वृष	22:58:21	राहु 10/02/2023
केतु 24/08/2018	18:15:56	मक	शनि व	मीन	13:35:25	गुरु 11/06/2024
शुक्र 24/04/2021	14:27:08	धनु व	राहु व	कन्या	16:54:07	शनि 11/01/2026
सूर्य 11/02/2022	14:27:08	मिथु व	केतु व	मीन	16:54:07	बुध 12/06/2027
चन्द्र 13/06/2023	22:49:46	धनु	हर्ष व	मक	09:01:39	केतु 11/01/2028
मंगल 19/05/2024	24:18:56	धनु	नेप व	मक	02:32:04	शुक्र 11/09/2029
राहु 12/10/2026	29:12:09	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	06:39:19	सूर्य 13/03/2030

लग्न-चलित

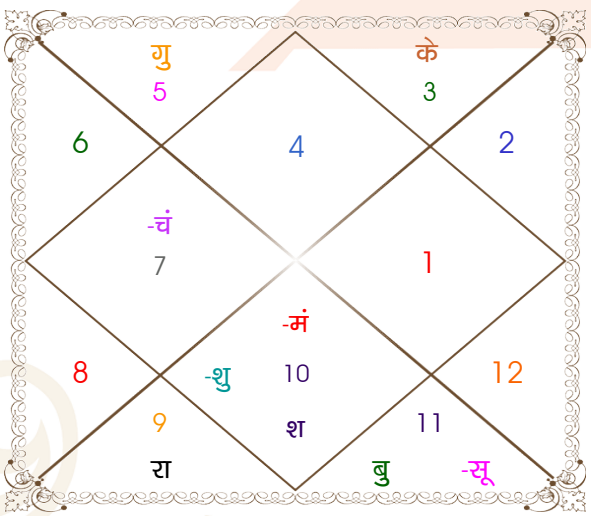

लग्न-चलित

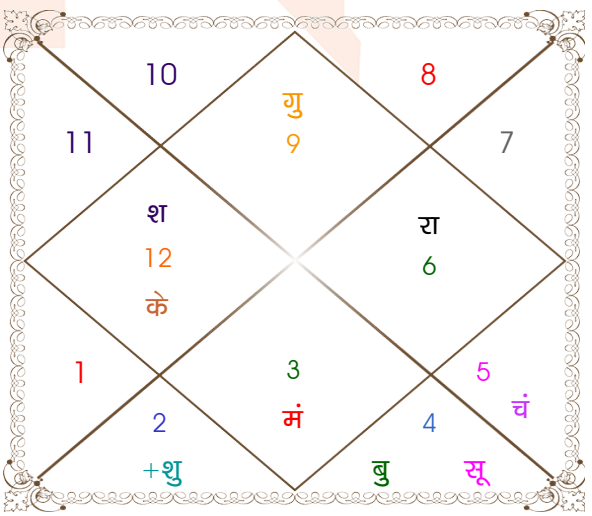

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Kartik Bhardwaj का वर्ग मृग है तथा Prachi Sharma का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kartik Bhardwaj और Prachi Sharma का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Kartik Bhardwaj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Kartik Bhardwaj कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Kartik Bhardwaj कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Prachi Sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।

तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Prachi Sharma कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Kartik Bhardwaj कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Kartik Bhardwaj कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kartik Bhardwaj तथा Prachi Sharma में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।